अस्पृश्य जातियों में सामाजिक गतिशीलता

डॉ० दीनानाथ रजक

सामाजिक गतिशीलता का सम्बन्ध सामाजिक संस्तरण और सामाजिक परिवर्तन से सम्बन्धित है। सामाजिक गतिशीलता वृहद सामाजिक परिवर्तन का एक अंग है। सामाजिक परिवर्तन सामाजिक सम्बन्धों, सामाजिक संरचना तथा प्रकार्यों एवं संगठन में होने वाले परिवर्तन को स्पष्ट करता है। जबकि सामाजिक मद में किसी तरह का परिवर्तन सामाजिक गतिशीलता कहलाता है। दूसरे शब्दों में यह कहा जा सकता है कि जिस पद या प्रस्थिति में हम समाज में प्रतिष्ठित हैं, उसमें कोई भी परिवर्तन होता है, तो उसे सामाजिक गतिशीलता कहा जा सकता है।

सामाजिक गतिशीलता दो प्रकार के होते हैं जिनमें एक को क्षैतिज गतिशीलता तथा दूसरे को उदग्र गतिशीलता कहा जाता है। क्षैतिज सामाजिक गतिशीलता का अर्थ एक व्यक्ति या सामाजिक वस्तु का एक ही स्तर में स्थिति एक समूह से दूसरे समूह में स्थानान्तरण है। क्षैतिज गतिशीलता भी दो प्रकार के होते हैं जिन्हें उर्ध्वगामी तथा अधोगामी गतिशीलता कहा जाता है।